1 हमारी भाषा
Our Language

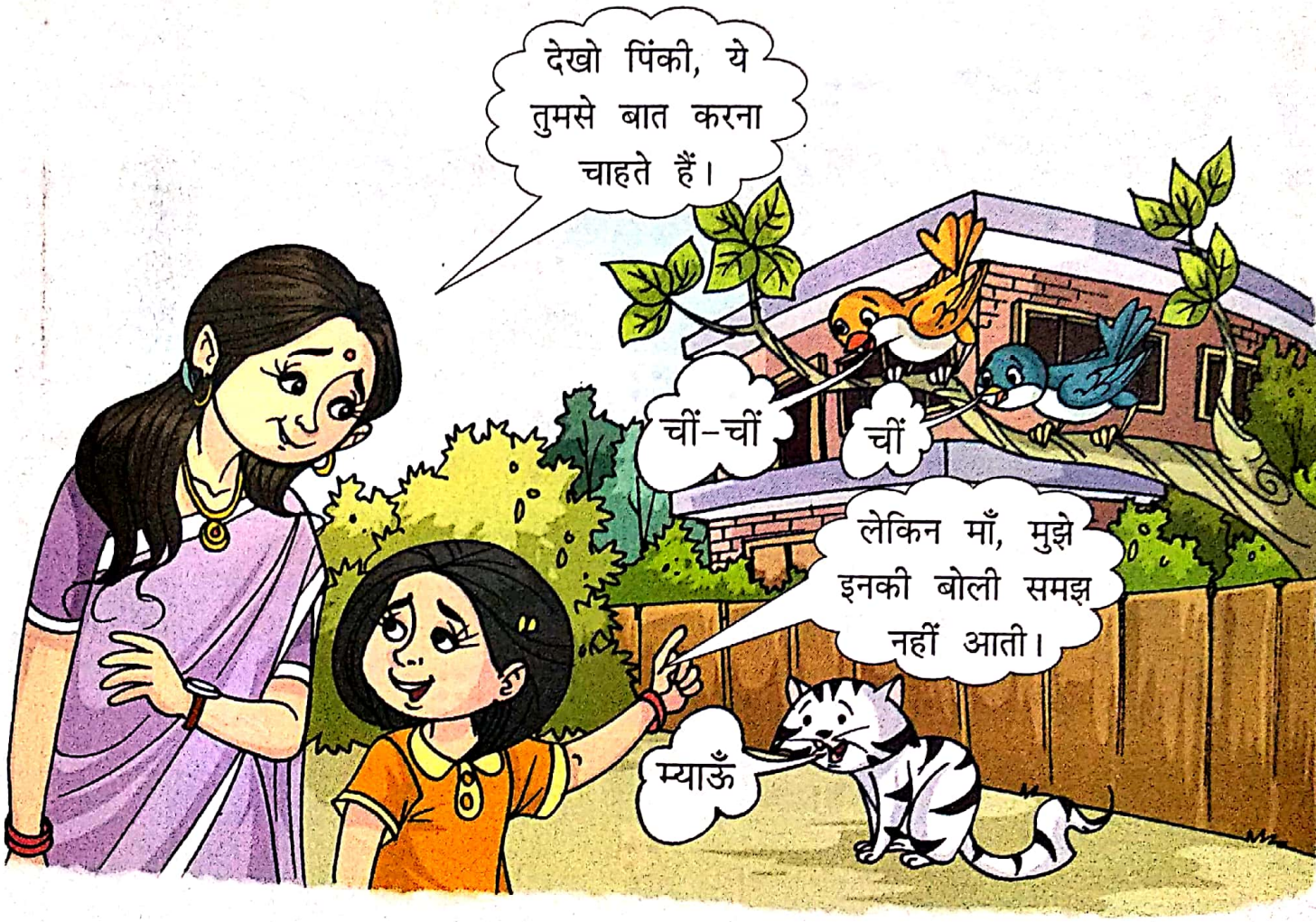

बच्चो! पशु-पक्षियों की अपनी बोली होती है जिसे वे ही समझ सकते हैं। हम उनकी बात नहीं समझ पाते क्योंकि पशु-पक्षियों की बोलियाँ या आवाज़ें होती हैं, भाषा नहीं। जबकि हम लोग अपनी बात को भाषा द्वारा बोलकर या लिखकर बता सकते हैं। इस प्रकार—

जिसके द्वारा हम अपने विचार दूसरों तक बोलकर या लिखकर पहुँचाते हैं और दूसरों की बात समझते हैं, वही भाषा है।

Scanned with CamScanner

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप हैं—

मौखिक भाषा — जब हम बोलकर अपनी बात दूसरों तक पहुँचाते हैं और सुनकर समझते हैं तो यह भाषा का **मौखिक रूप** होता है।

मौखिक

लिखित

लिखित भाषा — जब हम लिखकर अपनी बात कहते हैं और दूसरा उसे पढ़कर समझता है तो यह भाषा का **लिखित रूप** होता है।

कभी-कभी हम संकेतों द्वारा भी अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाते हैं; जैसे—

लेकिन संकेतों को भाषा नहीं कह सकते।

भारत की प्रमुख भाषाएँ

हिंदी हमारे देश में सबसे अधिक बोली जानेवाली भाषा है। भारत के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग भाषाएँ बोली जाती हैं; जैसे—

राज्य	भाषा	राज्य	भाषा
गुजरात	गुजराती	तमिलनाडु	तमिल
पंजाब	पंजाबी	उत्तर प्रदेश	हिंदी
असम	असमिया	बंगाल	बांग्ला
ओडिशा	ओड़िया	केरल	मलयालम

लिपि

भाषा को लिखने के लिए कुछ चिह्न निश्चित होते हैं, जिन्हें लिपि कहते हैं।

Scanned with CamScanner

विलोम शब्द

स्वस्थ

अस्वस्थ

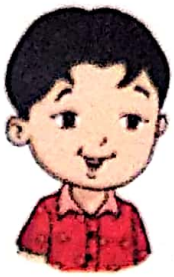

प्रसन्न

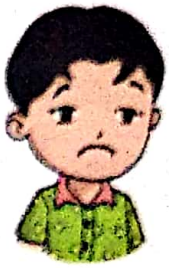

अप्रसन्न

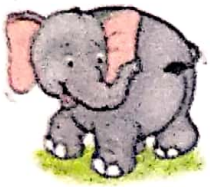

छोटा

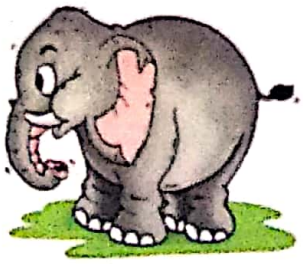

बड़ा

उदय

अस्त

एक-दूसरे से उलटा अर्थ देनेवाले शब्द 'विपरीतार्थक' या 'विलोम' कहलाते हैं।

इन्हें भी जानें—

1.	सुख	×	दुख
2.	सच्चा	×	झूठा
3.	अँधेरा	×	उजाला
4.	नेक	×	दुष्ट
5.	खरीदना	×	बेचना
6.	मुश्किल	×	आसान
7.	बदबू	×	खुशबू
8.	पक्का	×	कच्चा
9.	आशा	×	निराशा
10.	काला	×	सफ़ेद

11.	शिक्षित	×	अशिक्षित
12.	आजादी	×	गुलामी
13.	ताजी	×	बासी
14.	प्रकाश	×	अंधकार
15.	उपस्थित	×	अनुपस्थित
16.	देशी	×	विदेशी
17.	निडर	×	डरपोक
18.	शत्रु	×	मित्र
19.	आरंभ	×	अंत
20.	भीतर	×	बाहर

Scanned with CamScanner